नारायण सेवा संस्थान
मेरा भगवान पीड़ितों में

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

सेवाधाम, सेवा नगर, सेक्टर -4, हिरण मगरी, उदयपुर 313002 (राज.)
Phone : 91-294-6622222 Mobile : 96494-99999
Fax : 0294 2464445,2462248

परम् श्रद्धेय श्रीमान!
सादर हरिस्मरण!
मान्यवर,

परम पिता परमेश्वर की अनन्त कृपा स्वरूप मानवता के कल्याण को लक्ष्य मानकर चल रहे संस्थान के सभी सेवाकार्य आपश्री जैसे दानादाताओं के सहयोग एवं आशीर्वाद से आनन्दपूर्वक सम्पन्न हो रहे हैं। इसके अर्न्तगत कई विशाल निःशुल्क पोलियो शल्य चिकित्सा एवं विकलांग सहायता उपकरण विकरण शिविर आयोजित किये जा चुके हैं।

सेवा भावना के क्षेत्र में प्रसिद्ध आपश्री ने समाज सेवा के कई महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न करवाये हैं एवं सहयोग दिया हैं। नारायण सेवा संस्थान आपश्री के क्षेत्र में पोलियो विकलांगो के सहातार्थ विशाल निःशुल्क पोलियो जॉच चयन एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर आपश्री के सहयोग से आयोजन करने की आशा रखता हैं।

यदि आपश्री संस्थान के इस पारमार्थिक प्रयास में सहभागिता देना चाहते हैं तो शिविर योजना के सभी महत्त्वपूर्ण बिन्दु ध्यान से पढे तथा सहमति पत्र पूर्णतया भरकर भिजवायें। सौजन्य राशि एवं सहमति पत्र संस्थान को प्राप्त होते ही निश्चित दिनांक अनुसार आपके क्षेत्र में आयोजित शिविर की फाईल संस्थान के योजना विभाग मे खोली जाएगी। तत्पश्चात् ही शिविर के क्रियान्वयन में संस्थान का पूर्ण परिवार एकजुट होकर इस ऐतिहासिक शिविर को सफलता के अन्तिम सौपान तक पहुॅचाने में आपश्री को सहभागिता देगा।

इस शिविर को आप अपने किसी प्रयोजन की स्मृति/संस्था/मण्डल/ट्रस्ट के सौजन्य से भी आयोजित करवा सकते है, जिसके अन्तर्गत शिविर बैनर एवं प्रचार माध्यमों जैसे पेम्पलेट, पोस्टर्स आदि में उनको नामोल्लेख किया जाएगा। आपके द्वारा लगाया गया शिविर आपके क्षेत्र में अनेक निःशक्तजनों के जीवन को सुधार देगा व सेवा के इस महान यज्ञ में आहुति होगी आपश्री की। अवसर का लाभ उठावें। संस्था परिवार में जुडे ''जहां जिनका कोई नहीं उनके बारे में सोचें।''

ऐसे पावन यज्ञ मे आपश्री की आहुति हो ऐसा निवेदन हैं–दीन–हीन दुःखियों हेतु द्रवित होने वाले आप जैसे सहयोगी व्यक्तिव का साथ पाकर हम भी होंगे धन्य व लाभान्वित होंगे आपश्री के क्षेत्र के विकलांगजन।

सेवा मे विनम्र अनुरोध है किः–

1. शिविर मे आपश्री द्वारा जो सौजन्य एवं सहयोग संस्थान को प्रदान किया जाएगा एनेक्सर 'A'।
2. शिविर आयोजन में व्यवस्था सम्बन्धी दिशा निर्देश एवं आवश्यक बिन्दुओं हेतु एनेक्सर ' B'।
3. शिविर स्थल व्यवस्था सम्बन्धी एनेक्सर– 'C '।
4. आपश्री के सौजन्य की अपेक्षा में शिविर आयोजन सहमति! कृपया आज्ञा करावें व सहमति पत्र भिजवायें एनेक्सर 'D '।

आदर एवं सम्मान सहित।

विशेष :– पूर्ण जानकारी हेतु विवरण पत्र साथ भेजा जा रहा हैं अपनी सहमति शीघ्र भिजवायें।

आपका अपना

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

डॉ. प्रशान्त अग्रवाल
अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष

नारायण सेवा संस्थान
मेरा भगवान पीड़ितों में

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

सेवाधाम, सेवा नगर, सेक्टर -4, हिरण मगरी, उदयपुर 313002 (राज.)
Phone : 91-294-6622222 Mobile : 96494-99999
Fax : 0294 2464445,2462248

एनेक्सर 'A'

एक दिवसीय ''विकलांग भाग्योदय'' शिविर में भगवत् कार्य आपश्री द्वारा किये जाने वाला

सौजन्य राशि 2,51,000 रुपये रहेगी।

- उपर्युक्त राशि के अन्तर्गत संस्थान द्वारा आने वाले साधकों को आने–जाने का व्यय, जैसे–प्रचार टीम, शिविर टीम एवं डॉक्टर्स टीम का व्यय सम्मिलित है।
- उपर्युक्त राशि शिविर तय होने के पश्चात् शीघ्र भिजवायें।
- उपरोक्त राशि के अन्तर्गत 50 कृत्रिम अंग (हाथ एवं पैर) लगाये जाएंगे यदि इससे अधिक कृत्रिम अंग लगते है तो प्रति अंग 5000रु का सहयोग आपश्री द्वारा देय होगा।
- उपरोक्त राशि के अतिरिक्त चयनित ऑपरेशन रोगियों के ऑपरेशन हेतु सौजन्य राशि प्राप्त रोगी 5000रु देय होगी जो जब भी रोगी ऑपरेशन हेतु चयनित होंगे उनको उदयपुर भिजवाने की व्यवस्था आपश्री की रहेगी जो ग्रुप वाईज निश्चित दिनांक अनुसार भिजवाने होंगे।

आपश्री द्वारा षिविर में निम्न स्थानीय व्यवस्था आपश्री द्वारा करवानी होगी

01. शिविर हेतु प्रचार प्रसार 15 दिन पूर्व जिसमें प्रिन्टिग सामग्री पेम्पलेट, पोस्टर्स, हॉर्डिंग्स तथा स्थानीय चैनल पर प्रचार प्रसार करवाना।
02. शिविर के 7 दिन पूर्व उदयपुर से 2 साधक प्रचार हेतु आएगें जिनके लिए प्रचार हेतु वाहन, माईक की व्यवस्था जो गॉव गॉव में जाकर प्रचार प्रसार करेंगे।
03. शिविर प्रचार टीम हेतु आवास एवं भोजन की व्यवस्था।
04. शिविर के 1 दिन पूर्व शिविर टीम मे 10–12 साधक एवं 1 डॉक्टर आएंगे जिनके आवास एवं भोजन की व्यवस्था।
05. शिविर के दिन स्थानीय टेंट, साउण्ड, आने वाले रोगी एवं परिचायक के भोजन व्यवस्था, जल, टेबल, कुर्सीयों की व्यवस्था।
06. शिविर मे मंचीय कार्यक्रम हेतु शहर के विशेष महानुभावों को बुलाना स्थानीय प्रशासनिक, राजनैतिक, समाजसेवी, महानुभावों को निमंत्रित करना।

एनेक्सर 'B'

व्यवस्था सम्बन्धी निवेदन एवं जानकारी हेतु आवश्यक बिन्दुः-

01. सर्वप्रथम तो धन्यवाद व साधुवाद स्वीकार करें कि आपश्री के/संस्था के/ट्रस्ट के सौजन्य से विकलांगो की सेवा का यह शुभ कार्य सम्पन्न हो रहा है।
02. संस्थान इसे अपनी भाषा में ''विकलांग भाग्योदय महायज्ञ'' मानता है एवं स्थान–स्थान पर जाकर शिविर लगाने को ''परम् सौभाग्यम्'' मानते है।
03. सर्वप्रथम शिविर सर्वे अर्थात आपश्री से मिलने, स्थान देखने व अन्य बातचीत करने हेतु संस्थान के प्रतिनिधि आते हैं। यह कार्य लगभग एक माह पहले होता है।
04. शिविर तय होने पर तय दिनांक से 7 या 10 दिन पूर्व संस्थान से प्रचार टीम रवाना होती है। प्रचार टीम

नारायण सेवा संस्थान
मेरा भगवान पीड़ितों में

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

सेवाधाम, सेवा नगर, सेक्टर -4, हिरण मगरी, उदयपुर 313002 (राज.)
Phone : 91-294-6622222 Mobile : 96494-99999
Fax : 0294 2464445,2462248

आपश्री के मार्गदर्शन में आस–पास के गांवों में माईक एवं पेम्पलेट से प्रचार करती है। इस हेतु वाहन एवं माईक व्यवस्था करावें।

05. शिविर के प्रचार–प्रसार हेतु पेम्पलेट, पोस्टर, बैनर्स, स्टीकर्स, हॉर्डिंग्स, प्रमुख अखबारों मे विज्ञापन, स्थानीय टी.वी. चैनल पर विज्ञापन, वाहन, माईक सेट आदि की व्यवस्था आपश्री को करनी होगी।

06. आपश्री से निवेदन हैं कि एक या दो साथियों को प्रचार टीम मे साथ रखें जिससे स्थानीय भाषा में प्रचार हो सके और अधिक विकलांग भाई–बहिन शिविर का लाभ ले सके।

07. शिविर से एक या दो दिन पूर्व संस्थान से अग्रीम टीम आती है, जिसमें 8 से 10 सदस्य होते हैं। यह टीम सारी व्यवस्थाओं का जायजा लेती है और आपश्री की सहायता शिविर की संरचना करती है।

08. शिविर से एक दिन पूर्व डॉक्टर की टीम आती है उनके आवास की व्यवस्था होटल/सर्किट हाउस मे 3 ए. सी. डबल बेड कमरे में करावें।

09. एक दिन पूर्व शिविर की समस्त तैयारियां पूर्ण हो जानी चाहिए जैसे–टेन्ट व्यवस्था, पंजीकरण, डॉक्टर रूम, भोजन व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, समारोह व्यवस्था, कैलीपर्स मैनेजमेन्ट व्यवस्था एवं 2 समझाइस कक्ष।

10. उद्घाटन समारोह हेतु गायत्री माता एवं महावीर स्वामी की तस्वीर तथा दीपक, रूई, अगरबत्ती, माचिस की व्यवस्था मंच के पास रखें।

11. उद्घाटन समारोह का संचालन नारायण सेवा संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी अथवा उनके द्वारा मनोनीत साधक द्वारा भी किया सकेगा। सौजन्यकर्ता के एक महानुभाव भी इस कार्य में मदद करेंगे जिनका परिस्थितिनुसार तय कर लिया जाएगा।

12. शिविर मे पधारने वाले समस्त अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की सूची शिविर प्रभारी को शिविर से एक दिन पूर्व ही बता देवें।

13. शिविर में रोगियों का पंजीयन प्रातः 8.00बजे से प्रारम्भ हो जाना चाहिए। प्रत्येक काउण्टर पर एक या दो स्थानीय कार्यकर्ता रहे जिससे भाषा की समस्या नहीं हो।

14. आपश्री के स्थानीय कार्यकर्ता रोगियों एवं उनके परिचायकों को पक्तिंबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से बिठाएं। रोगी हमारे ईश्वर है इस भावना के साथ उनको किसी भी प्रकार की तकलीफ नही हो, उनको बार–बार कहीं ओर नहीं जाना पडे इसकी अच्छी व्यवस्था करावें।

15. पंजीयन के बाद विकलांग बन्धु डॉ.साहब के पास परामर्श के लिए जाएंगे।

16. जिन विकलांगो को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है उनमें से कुछ ऑपरेशन के लिए मना करते हैं, आपश्री से निवेदन हैं कि एक ऐसी कमेटी गठित करें जो विकलांग भाईयों को ऑपरेशन करवाने हेतु प्रेरित करें।

17. संस्थान द्वारा शिविर मे आने वाली सभी टीमों के ट्रांजिट एवं शिविर के दौरान भोजन व्यवस्था आपश्री को करनी होगी।

18. शिविर मे ऑपरेशन चयनित सभी विकलांग भाई–बहिनों को उदयपुर भिजवाने का व्यय आपश्री द्वारा देय होगा।

नारायण सेवा संस्थान
मेरा भगवान पीड़ितों में

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

सेवाधाम, सेवा नगर, सेक्टर -4, हिरण मगरी, उदयपुर 313002 (राज.)
Phone : 91-294-6622222 Mobile : 96494-99999
Fax : 0294 2464445,2462248

शिविर स्थल व्यवस्था समबन्धी निर्देष एनेक्सर 'C '

क्र.स.	व्यवस्था	संख्या	विशेष विवरण
1.	रोगी एवं परिचायक हेतु टेन्ट की व्यवस्था	1	40x105
2.	मंच (तख्ते में)	1	45x30
3.	मंच टेबल	1	
4.	कोडियम	1	
5.	ओ.पी.डी.रूम (डॉक्टर हेतु)	2	15x15
6.	पंजीयन कक्ष (खुला कक्ष)	1	500 व्यक्ति खडे रह सके
7.	कन्ट्रोल रूम	1	15x15
8.	संस्थान प्रदर्शनी कक्ष	1	15x30
9.	समझाइश कक्ष	1	15x15
10.	सहायक उपकरण रखने हेतु हॉल/टेन्ट	1	45x60
11.	अतिरिक्त कक्ष	1	15x15
12.	कृत्रिम अंग निर्माण कक्ष	1	45x30

1. शिविर के दिन डॉक्टर हेतु कमरा तथा अन्य काउण्टर्स हेतु बाहर टेन्ट, टेबल, क्लॉथ, कुर्सियों की पर्याप्त व्यवस्था हो।
2. सभी काउण्टर्स के पास जल व्यवस्था हो। रजिस्ट्रेशन तथा कन्ट्रोल रूम पर माईक की व्यवस्था हो जिससे मरीजों को असुविधा न हो।
3. सभी प्रमुख कार्यों हेतु कमेटियां गठित करें (स्वागत, कमेटी, भोजन कमेटी आदि) और कन्ट्रोल रूम पर उसकी सूची देवें ताकि किसी को असुविधा न हो।
4. ऊपर आरेखित नक्शे के अनुसार व्यवस्था करावें।
5. सभी काउण्टर पर थर्मोकॉल शीट या गत्ते पर सम्बन्धित काउण्टर का नाम लिखा हो, जिससे मरीजों को असुविधा न हो।

नारायण सेवा संस्थान
मेरा भगवान पीड़ितों में

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

सेवाधाम, सेवा नगर, सेक्टर -4, हिरण मगरी, उदयपुर 313002 (राज.)
Phone : 91-294-6622222 Mobile : 96494-99999
Fax : 0294 2464445,2462248

शिविर सहमति– एनेक्सर 'D'

महोदय,

मान्यवर हम आप श्रीमान जी द्वारा भेजी गई पोलियों जॉच, चयन एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर परियोजना पूर्ण रूप से जानकर प्रसन्न हुए। सारी जानकारी मिली कि किस तरह से यह शिविर हमारे सहयोग से किया जा सकता है। हमें यह सौभाग्य प्राप्त करने की प्रबल इच्छा हैं। हमारा पूर्ण विवरण इस प्रकार है:

1. नाम व पूरा पता : .....
2. सहयोगकर्ता / संस्था एसो. / ट्रस्ट / क्लब : .....
3. दूरभाष नं. : एस.टी.डी .....
   घर.....
4. स्थान और पता जहां कि शिविर होना है : .....
   शिविर स्थल .....
   .....
5. सौजन्यकर्ता द्वारा प्रदत्त सहयोग राशि : .....
   नकद / चैक / डी.डी.
6. डॉक्टर्स निवास (डाक बंगला हाऊस / होटल) : .....
7. साधक निवास (धर्मशाला / सामुदायिक भवन) : .....
8. शिविर आयोजित करने की प्रस्तावित दिनांक : .....
9. स्थानीय व्यवस्था : इसके अन्तर्गत प्रचार–प्रसार, प्रिन्टिग सामग्री, ट्रासंपोर्टेशन, भोजन, ठहरने की व्यवस्था, टेन्ट, बिजली,पानी,जनरेटर, आदि का व्यय भी स्थानीय व्यवस्थाओं के अन्तर्गत रहेगा।

विशेष अनुरोध : कृपया यह प्रपत्र हमें शीघ्र भिजवानें की कृपा करावें।

हस्ताक्षर